



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 313]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 13, 2006/आषाढ़ 22, 1928

No. 313]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 13, 2006/ASADHA 22, 1928

वित्त मंत्रालय

MINISTRY OF FINANCE

(राजस्व विभाग)

(Department of Revenue)

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2006

New Delhi, the 13th July, 2006

सं. 25/2006-सेवा-कर

No. 25/2006-Service Tax

सा.का.नि. 418(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) (जिसे इसमें इसके पश्चात् वित्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 93 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा उस समय प्रवृत्त किसी कानून के अंतर्गत नोटिस जारी करने द्वारा कार्यवाही आरम्भ करने के कार्य के दौरान किसी सांविधिक प्राधिकरण के समक्ष मुवक्किल का प्रतिनिधित्व करने से संबंधित क्रमशः प्रैक्टिस करने वाले सनदी लेखाकार, प्रैक्टिस करने वाले लागत लेखाकार और प्रैक्टिस करने वाले कम्पनी सचिव द्वारा किसी मुवक्किल को प्रदान की गई अथवा प्रदान की जाने वाली वित्त अधिनियम की धारा 65 के खण्ड (105) के उप-खण्ड (ध), (न) और (प) के अंतर्गत आने वाली कराधेय सेवाओं को उक्त वित्त अधिनियम की धारा 66 के अंतर्गत उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सेवा-कर से छूट प्रदान करती है।

[ फा. सं. 356/37/2006-टीआरयू ]

आर. श्रीराम, उप सचिव

G.S.R. 418(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the Finance Act), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable services falling under sub-clauses (s), (t) and (u) of clause (105) of Section 65 of the Finance Act, provided or to be provided by a practising chartered accountant, a practising cost accountant and a practising company secretary respectively, in his professional capacity, to a client, relating to representing the client before any statutory authority in the course of proceedings initiated under any law for the time being in force, by way of issue of notice, from the whole of service tax leviable thereon under Section 66 of the said Finance Act.

[F. No. 356/37/2006-TRU]

R. SRIRAM, Dy. Secy.